Medical Health Camps in Villages by the Team of Doctors Nurses, and Lab Assistants & Supporting Staff of Abhilashi University

Free Farming Camps in Villages

NSS activities

स्वयं सेवकों ने की स्कूल और जलस्त्रोतों की साफ-सफाई

स्कूल परिसर में सफाई करते एनएसएस के स्वयं सेवक।

सुंदरनगर, 3 जून (उमेश भारद्वाज) : अभिलाषी विश्वविद्यालय में एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का समापन प्रोफैसर एएस गुलेरिया द्वारा किया गया। एनएसएस के स्वयंसेवकों ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। वहीं मुख्यातिथि ने एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा सात दिन किए सामाजिक कार्यों के लिए बधाई दी और स्वयंसेवकों को जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए आह्वान किया। कैंपस एनएसएस कार्यकारी अधिकारी अभिषेक सोनी ने बताया कि 7 दिवसीय वार्षिक शिविर में 60 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। स्वयंसेवकों द्वारा इस शिविर में प्राकृतिक जल स्त्रोतों की सफाई, स्कूल, अस्पताल, कैंपस, कक्षा एवं प्रयोगशाला की सफाई, श्रम दान, स्थानीय लोगों के साथ विचारों का अदान-प्रदान, चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर व्याख्यानों का आयोजन भी किया गया। समापन समारोह में स्वयंसेवकों और आयोजक समिति को प्रस्सति पत्र भी बांटे गए।

शिमला सवेरा Mon, 04 June 2018
dainiksaveratimes.epapr.in/c/2922

स्वयं सेवकों ने की स्कूल और जलस्त्रोतों की साफ–सफाई

स्कूल परिसर में सफाई करते एनएसएस के स्वयं सेवक।

सुंदरनगर, 3 जून (उमेश भारद्वाज) : अभिलाषी विश्वविद्यालय में एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का समापन प्रोफैसर एएस गुलेरिया द्वारा किया गया। एनएसएस के स्वयंसेवकों ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। वहीं मुख्यातिथि ने एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा सात दिन किए सामाजिक कार्यों के लिए बधाई दी और स्वयंसेवकों को जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए आह्वान किया। कैंपस एनएसएस कार्यकारी अधिकारी अभिषेक सोनी ने बताया कि 7 दिवसीय वार्षिक शिविर में 60 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। स्वयंसेवकों द्वारा इस शिविर में प्राकृतिक जल स्त्रोतों की सफाई, स्कूल, अस्पताल, कैंपस, कक्षा एवं प्रयोगशाला की सफाई, श्रम दान, स्थानीय लोगों के साथ विचारों का अदान-प्रदान, चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर व्याख्यानों का आयोजन भी किया गया। समापन समारोह में स्वयंसेवकों और आयोजक समिति को प्रस्सति पत्र भी बांटे गए।

शिमला सवेरा Mon, 04 June 2018 dainiksaveratimes.epapr.in/c/2922(

छात्रों ने जुटाई फसलों की जानकारी

मंडी। अभिलाषी विश्वविद्यालय के छात्रों ने अनुज कुमार की अगुआई में मसोग गांव में कृषि संबंधित जानकारी हासिल की। प्रधान रूकमणी ने छात्रों को पंचायत की कार्यप्रणाली एवं गांव में चल रहे विकास कार्यों से अवगत करवाया। छात्र गांव के लोगों से मिले और उनसे कृषि एवं विकास कार्यों के बारे में विचार-विमर्श किया। छात्रों को छह-छह के समूह में बांटा गया। हर एक समूह को गांव के 1-2 परिवारों से मिलकर उनके गांव में चल रहे विकास कार्यों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया और विकास कार्यों को आवंटित राशि के बारे में समीक्षा की। छात्रों ने लोगों से बातचीत की। छात्रों ने उनसे कृषि योग्य जमीन, फसलों के बारे में जानकारी हासिल की। मसोग गांव के कृषक शांता देवी, प्रोमिला देवी, वध राम, अमरचंद, प्रेम सिंह आदि ने विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा किए। छात्रों ने किसानों का धन्यवाद किया।

प्रशिक्षुओं ने मसोग गांव में दी खेतीबाड़ी की जानकारी

सहयोगी, चैलचौक : अभिलाषी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कृषि प्रसार शिक्षा प्रयोगिकी के तहत सहायक प्रोफेसर अनुज कुमार के नेतृत्व में कृषि संबंधित तहसील चच्योट के मसोग गांव का विवरण एकत्रित किया। स्थानीय पंचायत प्रधान रुकमणी ने विद्यार्थियों को पंचायत की कार्यप्रणाली एवं गांव में चल रहे विकास कार्यों के बारे में अवगत कराया। सभी छात्र गांव के लोगों से मिले और उनसे कृषि एवं गांव के विकास कार्यों के बारे में विचार-विमर्श किया। इस संबंध में छात्रों को छह-छह के समूह में बांटा गया और हरेक समूह को गांव के 1.2 परिवारों से मिलकर उनके गांव में चल रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी ली। विकास कार्यों में आवंटित राशि के बारे में समीक्षा की और यह भी जाना की गांव में कौन कौन सी विकास संबंधित नीतियों को वर्तमान में जमीनी स्तर पर किया गया। किसानों से मिलकर कृषि विकास से संबंधित जानकारी लेते हुए छात्रों में उत्साह की झलक थी। वहीं किसानों को आधुनिक खेती के बारे में जागरूक किया तथा फल सब्जियों के विपणन के के बारे में जानकारी प्रदान की। मसोग गांव की कृषक सांता देवी, प्रोमिला देवी, वध राम, अमरचंद, प्रेम सिंह आदि ने विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा किए।

विभागाध्यक्ष ... प्रतियोगिताएं, महिला मंडल और स्कूली ... मेले के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं, कृषि और बागबानी विभाग की प्रदर्शनी, बेबी शो, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मैराथन के साथ कुश्ति का आयोजन किया जाएगा।

अभिलाषी ने किसानों को दिए टिप्स

नेरचौक– अभिलाषी विश्वविद्यालय के कृषि अध्ययनशाला के शिक्षकों एवं छात्रों ने कटयांद गांव में एक शिविर के आयोजन किया। शिक्षकों एवं छात्रों ने किसानों को केंचुआ खाद के बारे में बताया। शिविर में किसानों अपनी समस्याएं रखीं तथा उनके समाधान के बारे में विस्तृत जानकारी ली। शिविर में प्रो. एसएस मसंद नें केंचुआ खाद बनाने का तरीका बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डा. रमेश चौहान, डा. निवेदिता गुप्ता व डा. ज्योतिका बरारी ने किसानों को जागरूक किया। शिविर में कटयांद गांव के सोहन लाल ने अपने बागीचे में चल रही समस्यायों के बारे में जानकारी भी ली। इस अवसर पर कटयांद गांव के अनिल, सोहन लाल, दमेश्वर सिंह, प्यारे लाल, हेम सिंह, दमयंती देवी, धनेश्वरी देवी, तेजा, कश्मीर सिंह, चंद्रावली, लाल सिंह, गोपाल, गंगा और ज्योति ठाकुर सहित कई अन्य किसान उपस्थित रहे।

31.3.17 दिव्य हिमाचल